AGRICULTURE UNIVERSITY,
JODHPUR
JODHPUR 342304, Rajasthan, India
कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर
जोधपुर 342304, राजस्थान, भारत

Telefax
0291 2570710(O)
0291-2570711
E-mail: vcunivag@gmail.com

डॉ. एम.एल. मेहरिया
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

दिनांक 19.02.2020

प्रेस नोट

"पश्चिमी राजस्थान में बीजीय मसालों की नवीन उत्पादन तकनीकें" पर दो दिवसीय जिला स्तरीय संगोष्ठी

"पश्चिमी राजस्थान में बीजीय मसालों की नवीन उत्पादन तकनीकें" विषय पर आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन सुपारी और मसाला विकास निदेशालय कालिकट एवं कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के सयुक्त तत्वाधान में कृषि अनुसंधान केन्द्र, मण्डोर में शुरू हुआ। इस संगोष्ठी का उद्घाटन मुख्य अतिथि माननीय डॉ एल. एन. हर्ष, पूर्व कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर ने किया तथा इन्होंने मसाला फसलों में उत्कृष्ट कृषि कार्यो के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराते हुए बताया कि जीरा का निर्यात 5 वर्ष पूर्व में 300 करोड़ रूपये का था जो कि वर्तमान में बढ़कर 2888 करोड़ रूपये तक पंहुच गया है। यह हमारे देश व मारवाड़ के किसानों के लिए बहुत ही गर्व का विषय है तथा इस संगोष्ठी की अध्यक्षता डॉ. बी. आर. चौधरी, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर ने की व उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे जीरा की फसल में नई किस्म का विकास करके किसानों को अधिकाधिक लाभ पहुॅचाने का प्रयास किया जाना चाहिए। विशिष्ट अतिथि श्री गोपाराम सीरवी, मुख्य अभियंता, राजस्थान राज्य विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, जोधपुर ने कुसुम योजना के बारे में विस्तृत रूप से किसानों को जानकारी दी। विशिष्ट अतिथि डॉ. बी. एस. भीमावत, अधिष्ठाता एवं संकायाध्यक्ष, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर ने मसाला फसलों की पश्चिमी राजस्थान में अपार संभावनाओं के बारें में विस्तृत रूप से किसानों को जानकारी दी, इन्होंने संगोष्ठी में भाग लेने आये प्रसार कार्यकर्ताओं से मसाला फसलों पर नवीनतम तकनीकी को किसान के खेत तक पहुॅचाने का आह्वान किया। इस जिला स्तरीय संगोष्ठी के प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. मोती लाल मेहरिया ने बताया कि इस संगोष्ठी में जोधपुर एवं नागौर कृषि विभाग राजस्थान के अधिकारीगण विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों के तकनीकी कर्मचारी तथा प्रगतिशील किसान भाग ले रहें है व परियोजना के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय की स्थापान के बाद अब तक 160 लाख रूपये मसाला

फसलों के उन्नत बीज उत्पादन, आधारभूत संरचना, प्रथम पंक्ति प्रदर्शन व तकनीकी स्थानान्तरण के लिए आवंटित किये गये।

इस अवसर पर पधारे पूर्व निदेशक अनुसंधान, (एस.के.आर.ऐ.यू.) डॉ. आर. पी. जॉगिड़ ने मसाला फसलों में सिंचाई व उर्वरक प्रबंधन के बारें में बताया। पूर्व प्राध्यापक डॉ आर. एस. चावड़ा ने मृदा जांच एवं उर्वरकों के बारे में बताया। पूर्व प्राध्यापक डॉ तख्तसिंह ने मसाला फसलों में होने वाली व्याधियों व उनके रोकथाम के बारे में जानकारी दी। डॉ. एम.एम सुन्दरिया, परीक्षा नियंत्रक, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर ने मसाला फसलों में लगने वाले कीटों के प्रबंधन के बारें में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर **"पश्चिमी राजस्थान में बीजीय मसालों की नवीन उत्पादन तकनीकें" एवं "बीजीय मसाला फसलें–उत्पादन तकनीकी एवं नवाचार"** पुस्तिकाओं का विमोचन गणमान्य अतिथियों के करकमलों द्वारा किया गया। साथ ही **बीजीय मसाला फसलें–मुख्य रोग एवं प्रबंधन** के पत्रक का भी विमोचन किया गया।

उद्घाटन समारोह के अंत में डॉ. एम.एम सुन्दरिया ने पधारे सभी गणमान्य लोगों का धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच का संचालन डॉ. रमेश, डॉ. मनीष कुमार एवं नीलम गेट ने किया।

(डॉ. एम.एल. मेहरिया)